बृहस्पतिवार
09 जून 2022

पृष्ठ 4

सिर्फ 15 मिनट में पाए दाग-धब्बों रहित निखरी साफ त्वचा

पृष्ठ 5

10 साल बाद टीवी पर लौटेंगी उर्मिला मातोंडकर

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 127
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

पुष्प की सुगंध वायु के विपरीत कभी नहीं जाती लेकिन मानव के सद्गुण की महक सब ओर फैल जाती है।
– गौतम बुद्ध

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

पंचायत चुनाव को अधिसूचना जारी

खाली पदों पर चुनाव 27 जून को

विशेष संवाददाता

देहरादून। राज्य के 12 जिलों में खाली पड़े पंचायतों के पदों को भरने के लिए 27 जून को चुनाव कराया जाएगा। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा आज इसकी अधिसूचना जारी कर दी गई है इसके साथ ही उन क्षेत्रों में आज से चुनाव आचार संहिता भी प्रभावी हो गई है जहां चुनाव होने हैं।

इस आशय की जानकारी आज राज्य निर्वाचन आयुक्त चंद्रशेखर भट्ट द्वारा देते हुए बताया गया कि राज्य में खाली पड़े ग्राम, क्षेत्र व जिला पंचायतों के 5003 पदों के लिए 27 जून को मतदान होगा। तय कार्यक्रम के अनुसार नामांकन की प्रक्रिया 13 जून को शुरू होगी तथा 14 जून तक नामांकन पत्र भरे जा सकेंगे। 15 जून को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी तथा 16 जून को नाम वापसी की तारीख होगी। 17 जून को प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे तथा 27 जून को वोट डाले जाएंगे और 29 जून को मतगणना होगी तथा इसी दिन चुनाव परिणाम भी घोषित कर दिए जाएंगे।

●कुल 5003 पदों के लिए होगा चुनाव
●29 जून को मतगणना व परिणाम

उल्लेखनीय है कि राज्य में ग्राम, क्षेत्र और जिला पंचायतों के कुल पदों की संख्या 66344 है। पंचायत के चुनाव 2019 अक्टूबर में कराए गए थे लेकिन हरिद्वार जिले का पंचायत चुनाव विवादों के घेरे में आने के बाद निष्प्रभावी रहा था। 12 जिलों में रिक्त 5003 पदों पर अब चुनाव होंगे जो अपरिहार्य कारणों से खाली हुए हैं। वर्तमान समय में ग्राम पंचायत सदस्यों के 4800 पद खाली हैं तथा ग्राम प्रधानों के कुल 179 पद रिक्त हैं वहीं क्षेत्र पंचायत में 21 पद खाली हैं तथा जिला पंचायतों में 3 पद खाली है। इन खाली पदों के कारण राज्य के लोगों को अपने कामों में कई तरह की दिक्कतें पेश आ रही थी। तथा इन पदों को भरने की मांग की जा रही थी। आज राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा 12 जिलों के कुल 5003 पदों पर चुनाव की अधिसूचना जारी करने के साथ ही साफ हो गया है कि 29 जून को यह पद भरे जाएंगे।

20 जून तक आएगा मानसून
गर्मी से राहत 15 जून के बाद

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में इस बार मानसून आने में थोड़ा ज्यादा समय लग सकता है संभावना जताई जा रही है कि 18 से 20 जून के बीच मानसून उत्तराखंड पहुंच सकता है। लेकिन बीते एक सप्ताह से गर्मी से झुलस रहे पहाड़ के लोगों को 15 जून के बाद थोड़ी बहुत प्री मानसूनी बारिश से राहत मिल सकती है।

मौसम विभाग के निदेशक डॉ विक्रम सिंह का कहना है कि राज्य के लोगों को अभी बहुत जल्दी गर्मी और लू से राहत मिलती नहीं दिख रही है क्योंकि मानसून आने में अभी थोड़ा बहुत वक्त लगेगा। उनका कहना है कि 18 से 20 जून तक मानसून उत्तराखंड में दस्तक दे सकता है। उन्होंने कहा कि 15 जून तक अभी मौसम ऐसा ही रहने का अनुमान है।

उनका कहना है कि राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में 15 जून के बाद कहीं-कहीं हल्की प्री मानसूनी बारिश हो सकती है जिससे लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत जरूर मिल सकती है। लेकिन 20 जून के बाद ही पूरी राहत मिल सकेगी।

●अभी एक सप्ताह और झेलना पड़ेगा गर्मी का कहर

उल्लेखनीय है कि जून के महीने में आसमान से जिस तरह की आग बरस रही है उसका प्रभाव राज्य के मैदानी ही नहीं पहाड़ी क्षेत्रों पर भी पड़ रहा है। बीते एक सप्ताह से पारा लगातार चढ़ता जा रहा है राजधानी दून का तापमान 41 डिग्री सेल्सियस को भी पार कर गया है जो 10 साल का रिकॉर्ड तोड़ चुका है। पहाड़ पर भी सामान्य से चार-पांच डिग्री अधिक तापमान है। लेकिन इससे स्थाई राहत 20 जून के बाद ही मिल सकेगी।

सीमा पर पाक ड्रोन की घुसपैठ को बीएसएफ के जवानों ने किया नाकाम

जम्मू। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर के आरएस पुरा उपमंडल के अरनिया सेक्टर में एक संदिग्ध ड्रोन की गतिविधियां देखी गईं, लेकिन सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की कार्रवाई के बाद वह वापस चला गया।

इसकी जानकारी अधिकारियों ने गुरुवार को दी। बीएसएफ ने कहा, गुरुवार तड़के करीब ४.१५ बजे अरनिया इलाके में ड्रोन होने की आशंका के साथ एक चमचमाती रोशनी देखी गई, जिसके चलते बीएसएफ के जवान अलर्ट हो गए और गोलीबारी शुरू कर उसे खदेड़ दिया। वह करीब ३०० मीटर की ऊंचाई पर था। बता दें कि, घाटी में सक्रिय आतंकवादियों के लिए पाकिस्तान से ड्रोन द्वारा हथियार गिराए जाने के कई मामले सामने आ चुके हैं। बीएसएफ ने इन मामलों पर कार्रवाई करते हुए हथियार भी बरामद किए हैं और सीमा पार आतंकवादियों और उनके आकाओं के मंसूबों को नाकाम किया है। इससे पहले ७ जून को कनाचक के दयारान इलाके में ड्रोन से तीन आईईडी बम भेजा गया था जिसे सुरक्षाबलों ने निष्क्रिय कर दिया। ये आईईडी बच्चों के टिफिन बॉक्स में रखकर भेजे गए थे। बीएसएफ ने ड्रोन गतिविधि देख गोलियां भी चलाईं थी। जिसके बाद पुलिस ने ड्रोन विरोधी एसओपी का पालन करते हुए ड्रोन से जुड़े पेलोड को नीचे लाया गया। पेलोड में बच्चों के टिफिन बॉक्स के अंदर ३ चुंबकीय आईईडी पैक किए गए थे, जिसमें अलग–अलग समय के लिए टाइमर सेट किया गया था।

देश में बढ़े कोरोना के मामले: पिछले 24 घंटे में आए 7240 नए केस, 8 लोगों की हुई मौत

नई दिल्ली । देश में कोरोना वायरस के मामले एक बार फिर तेजी से बढ़ते नजर आ रहे हैं जो कि काफी चिंताजनक है।

कल के आंकड़ों के मुताबिक आज २,००७ केस ज्यादा दर्ज किए गए हैं। बता दें कि, बुधवार को ५,२३३ मामले सामने आए थे। वहीं देश में अब उपचाराधीन मामलों की संख्या घटकर ३२ हजार ४६८ रह गई है।

देश में पिछले २४ घंटे में ७ हजार २४० केस दर्ज हुए हैं जिसके बाद संक्रमण के कुल मरीजों की सख्या ४,३१,६७,५२२ हो गई है। बता दें कि, इससे पहले इतने मामले ६८ दिन पहले दो मार्च को दर्ज किए गए थे।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा गुरुवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के ७,२४० नए मामले सामने आए हैं। वहीं, ८ और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर ५,२४,७२३ हो गई है। इसके अलावा देश में कोविड–१६ के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर ३२,४६८ हो गई है, जो कुल मामलों का ०.०८ प्रतिशत है। जबकि संक्रमण से मुक्त होने वालों की राष्ट्रीय दर ६८.७१ प्रतिशत है।

अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण की दैनिक दर २.१३ प्रतिशत और साप्ताहिक दर १.३१ प्रतिशत है। देश में पिछले २४ घंटे में ३५६१लोग महामारी से ठीक हो चुकें हैं और अब तक कुल ४,२६,४०,३०१ लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं,। वहीं, देशव्यापी कोविड–१६ रोधी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक लोगों को १६४.५६ करोड़ से ज्यादा खुराक दी जा चुकी हैं। इसके अलावा देश भर में कुल ३,४०,६१५ टेस्ट किए गए, जिससे टेस्ट की कुल संख्या बढ़कर ८५.३८ करोड़ से अधिक हो गई।

दून वैली मेल

संपादकीय

वो हवा हो गए, देखते देखते

इस देश की राजनीति भी क्या हवा हवाई है? हवा का एक झोंका आता है और किसी को भी सत्ता की कुर्सी पर बैठा देता है। हवा का एक झोंका आता है और किसी को भी सत्ता शीर्ष से उतार फेंकता है जो कल तक चरण छूते थे व इन बड़े नेताओं को खास मौके पर मिलकर उनका मार्गदर्शन लेने जाते थे ऐसा लगता है कि वह मार्गदर्शकों की सूची में डालने का उपहास उड़ाने आए हैं, किसी मार्गदर्शन के लिए नहीं आए और न उन्हें कोई सम्मान देने आए हैं। राजनीति ही नहीं व्यवहारिक जीवन का भी यह बड़ा सच है वर्तमान दौर में सम्मान सिर्फ दिखावा भर रह गया है। 2017 के उत्तराखंड विधानसभा चुनाव में भाजपा 70 में से 57 सीटें जीतकर सत्ता में आई तो त्रिवेंद्र सिंह रावत को हवा के झोंके ने सीएम की कुर्सी पर बैठा दिया। भाजपा में ऐसा अक्सर देखा जाता रहा है कि संघ के सेवकों को कई बार इतना कुछ मिल जाता है जिसकी उन्हें भी कल्पना नहीं होती है। सूबे के कई पूर्व मुख्यमंत्री इस कृपा का लाभ उठा चुके हैं। यह अलग बात है कि वह कितने समय तक लाभ उठा पाते हैं। त्रिवेंद्र सिंह भी पीएम मोदी की तरह यह माने बैठे थे कि कम से कम 15 साल तो इस कुर्सी पर अब मैं ही रहूंगा। लेकिन वह भूल गए थे कि हर कोई शिवराज चौहान नहीं हो सकता जो बार-बार ऐसा मौका हासिल कर सके। 4 साल बाद कुर्सी क्या गई मानों त्रिवेंद्र सिंह का सब कुछ चला गया। 2022 के चुनाव से पहले से ही यह चर्चा थी कि भाजपा उन्हें संगठन में कोई अहम जिम्मेवारी दे सकती है लेकिन ऐसा भी नहीं हुआ। उनके चुनाव न लड़ने के एलान पर सभी हैरान थे पता चला कि उन्हें तो पार्टी टिकट ही नहीं दे रही थी जिसकी खबर लगने पर उन्होंने चुनाव न लड़ने का प्रचार कर दिया। चुनाव प्रचार से भी पार्टी ने अलग थलग ही रखा या सिर्फ डोईवाला तक सीमित रखा। अब एक बार फिर चर्चा शुरू हुई है कि त्रिवेंद्र सिंह को राज्यसभा भेजा जा सकता है लेकिन रुड़की की महिला डॉ कल्पना सैनी ने उनसे यह अवसर भी छीन लिया जिसके बारे में त्रिवेंद्र सिंह रावत कल्पना भी नहीं कर सकते थे। अभी भाजपा की दो दिवसीय कार्यसमिति की जो बैठक बीते कल संपन्न हुई है उसमें तमाम पूर्व सीएम दिखाई दिए पूर्व व वर्तमान सांसद, मंत्री सभी शामिल थे राज्य की सरकार और संगठन से जुड़े तमाम कार्यकर्ता और नेता दिखाई दिए लेकिन नहीं दिखे तो सिर्फ त्रिवेंद्र सिंह रावत नहीं दिखे। भाजपा के प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम से लेकर केंद्रीय मंत्री अजय भट्ट तक इस सवाल के जवाब पर सफाई देते दिखे। कुछ दिन पूर्व हवा उड़ी थी कि भाजपा ने उन्हें अपने मार्गदर्शक मंडल में डाल दिया है। कार्यसमिति की बैठक में कुछ भाजपाई यह चुटकी भी लेते दिखे कि त्रिवेंद्र सिंह ने राजनीति से सन्यास ले लिया। शायद इन लोगों को यह पता नहीं है कि राजनीति होती ही हवा हवाई है। कब किसकी हवा होती है और कब कौन हवा हो जाए इसके बारे में अच्छे-अच्छे राजनीति के पंडित भी नहीं जानते। आइए लाल कृष्ण आडवाणी और डॉ. मुरली मनोहर जोशी को भी इस बहाने थोड़ा याद कर लेते हैं क्योंकि बड़े दिनों से उनका नाम भी नहीं सुना है।

मारपीट में पति के खिलाफ मुकदमा

देहरादून (संवाददाता)। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में महिला ने अपने पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार आदर्श कालोनी नेहरूग्राम निवासी रूबि ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पति नाईम द्वारा लात घूसा मार पीट कर उसको मां बहिन गंदी गंदी गाली दे दी मेरे द्वारा विरोध करने पर मुझे जान से मारने धमकी दी और घर से निकलने की कोशिश की। उसका पति अपराधिक पृवत्ति के एक व्यक्ति के साथ वहां गलत कार्य में लिप्त रहता है उसको अपने पति से जान माल खतरा है उसका पति उसके जमा किये वह पैसे भी ले गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मारपीट में चार नामजद

देहरादून (संवाददाता)। मारपीट का जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डीएल रोड निवासी पूजा भगवती ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उन्होने एक दुकान2 फरवरी 2022 को खरीदी थी। उसकी दुकान के पीछे निवास करने वाले श्रीमती राजबाला पत्नी श्री यशपाल, श्रीमती रानी पुत्री यशपाल, अमित कुमार उर्फ चांदी पुत्र श्री यशपाल व पूनम पत्नी श्री अमित कुमार उसकी उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति पर कब्जा करने की मंशा रखते है जिस कारण वह प्रार्थिनी की दुकान के आगे सरकारी सम्पत्ति पर अतिक्रमण कर दुकान में जाने का रास्ता रोकते हैं। उसने इसकी शिकायत नगर निगम में की थी तो नगर निगम की टीम ने आकर उक्त अतिक्रमण हटा दिया था। जिसके बाद उक्त लोगों ने उसपर व उसके पति पर हमला बोल दिया और दोनों की जमकर पिटाई की आसपास के लोगों ने बीच में पडकर उनको बचाया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एमएसपी की गारंटी का क्या हुआ ?

अजीत द्विवेदी

किसानों को अपना आंदोलन खत्म किए हुए साढ़े पांच महीने हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र सरकार के बनाए तीनों कृषि कानूनों को खत्म करने की घोषणा के साथ ही वादा किया था कि सरकार एक कमेटी बनाएगी, जो न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी को कानूनी गारंटी देने के मसले पर विचार करेगी। एक साल तक चले किसान आंदोलन का नेतृत्व करने वाले संयुक्त किसान मोर्चे और सरकारी प्रतिनिधियों को मिला कर एक कमेटी बनाई जानी थी। प्रधानमंत्री ने 19 नवंबर 2021 को एमएसपी और अन्य मामले पर विचार के लिए कमेटी बनाने की घोषणा की थी। फिर किसानों का आंदोलन खत्म कराने के लिए सरकार की ओर से नौ दिसंबर 2021 को दिए गए आश्वासन पत्र में भी इसे शामिल किया गया था। लेकिन साढ़े पांच महीने बीत जाने के बाद भी न कमेटी बनी है और न एमएसपी की कानूनी गारंटी सुनिश्चित की गई है। इस बीच रबी की एक फसल बिक भी गई।

ऐसा लग रहा है कि सरकार का मकसद किसानों का आंदोलन खत्म कराना था क्योंकि जनवरी 2022 में उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की घोषणा होने वाली थी। सरकार नहीं चाहती थी कि चुनाव के दौरान किसान आंदोलन चलता रहे। सरकार को यह भी पता था कि एक बार किसान आंदोलन समाप्त करके उठ गए तो उसी मसले पर दोबारा आंदोलन करना मुश्किल होगा। इस तरह के आंदोलन काठ की हांडी की तरह होते हैं। हाल के उदाहरण देखें तो अन्ना हजारे से लेकर अरविंद केजरीवाल और रामदेव तक कोई भी दोबारा आंदोलन नहीं खड़ा कर पाया। सो, एक साल से धरने पर बैठे किसानों ने जैसे ही दिल्ली की घेराबंदी खत्म की और आंदोलन समाप्त करने का ऐलान किया वैसे ही सरकार का मकसद पूरा हो गया। यह सही है कि एक साल के आंदोलन में किसान भी थक गए थे लेकिन वे पूरी तरह से एक राजनीतिक दांव का शिकार हुए। तभी आंदोलन खत्म होने के साढ़े पांच महीने बाद भी किसान इस बात के लिए भटक रहे हैं कि एमएसपी की गारंटी देने का कानून कब और कैसे बनेगा।

इस बीच यह विमर्श गढ़ने का प्रयास शुरू हो गया है कि एमएसपी की कानूनी गारंटी की जरूरत क्या है, जब किसान एमएसपी से ज्यादा कीमत पर अनाज बेच रहे हैं। इस प्रचार को किसानों को हलके में नहीं लेना चाहिए क्योंकि यह अनायास होने वाला प्रचार नहीं है, बल्कि सुनियोजित तरीके से प्रचारित किया जा रहा है कि मंडियों में किसानों को एमएसपी से ज्यादा गेहूं की कीमत मिल रही है। पंजाब और हरियाणा से कई ऐसी लंबी लंबी रिपोर्ट्स अखबारों में छपीं है, जिनमें बताया गया कि किसानों ने अपने आढ़तियों की मदद से एमएसपी से ज्यादा कीमत पर गेहूं बेचा। अव्वल तो किसानों को ज्यादातर जगहों पर एमएसपी से ज्यादा दाम नहीं मिले। जहां मिले वहां प्रति क्विंटल 2,015 रुपए की एमएसपी से पांच से 15 रुपए ज्यादा मिले। इसके अलावा हकीकत यह है कि रूस और यूक्रेन में चल रहे युद्ध की वजह से गेहूं का निर्यात प्रभावित हुआ है, जिसकी वजह से निजी कारोबारियों ने जम कर गेहूं की खरीद की और उसकी वजह से गेहूं की कुछ ज्यादा कीमत मिल गई। हर साल या हर फसल के लिए ऐसी स्थिति नहीं होने वाली है।

लेकिन इस आधार पर यह प्रचार किया जा रहा है कि एमएसपी की जरूरत ही क्या है, जब निजी कारोबारी उससे ज्यादा दाम देकर अनाज खरीद रहे हैं। असल में यह किसानों को मुसीबत में डालने वाला प्रचार है। किसानों को इस झांसे में नहीं आना चाहिए कि उनको खुले बाजार में एमएसपी से ज्यादा कीमत मिल जाएगी। यह असल में मंडियों का सिस्टम कमजोर करने और उसे खत्म करने की योजना का हिस्सा है। जब तक मंडियां हैं और एमएसपी का सिस्टम है तभी तक बाजार की ताकत के सामने किसानों की सुरक्षा सुनिश्चित हो पाएगी। इनके खत्म होते ही किसान निजी कारोबारियों के रहमोकरम पर होंगे। फिर निजी कारोबारी अपने हिसाब से अनाज की कीमत तय करेंगे और मनमाने तरीके से खरीद करेंगे। खरीद से पहले अनाज की क्वालिटी भी वे खुद तय करेंगे।

किसानों के आंदोलन और राजनीतिक दबाव में केंद्र सरकार ने आवश्यक वस्तु कानून को खत्म करने वाले कानून को निरस्त कर दिया। इसके बावजूद उसका खतरा किसानों के सामने मौजूद है। अगर निजी कारोबारियों ने बड़ी मात्रा में कोई अनाज खरीद कर उसका भंडार किया और उसी फसल को अगली सीजन से पहले अपने गोदाम में रखा अनाज बाजार में निकाल दिया तो क्या होगा? फिर तो अनाज की कीमत बुरी तरह से गिरेगी और किसान को सस्ती कीमत पर अनाज बेचने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। उस समय मंडियों की व्यवस्था और न्यूनतम समर्थन मूल्य से ही उनका बचाव हो पाएगा। एमएसपी की जरूरत इस वजह से भी है कि देश के ज्यादातर राज्यों में मंडी और सरकारी खरीद का सिस्टम नहीं है। जैसे बिहार में मंडियों की व्यवस्था खत्म कर दी गई है और किसान निजी कारोबारियों की खरीद पर ही निर्भर हैं। ऐसी जगहों पर किसानों को अच्छी कीमत नहीं मिल पाती है। अगर एमएसपी की गारंटी का कानून बने और यह व्यवस्था हो कि मंडी में या मंडी से बाहर कहीं भी कोई भी कारोबारी एमएसपी से कम दाम पर अनाज नहीं खरीद पाएगा तभी किसानों का बचाव संभव है।

एक बार एमएसपी की गारंटी के कानून पर चर्चा के लिए कमेटी बने और उस पर विचार विमर्श शुरू हो तो इससे जुड़े दूसरे मुद्दे भी उठेंगे। एमएसपी की कानूनी गारंटी से जुड़े दो और मुद्दे खास हैं। एक तो एमएसपी तय करने का तरीका और दूसरा एमएसपी कानून के दायरे में आने वाली उपज की संख्या बढ़ाना। एमएसपी तय करने के मामले में बरसों से एमएस स्वामीनाथन फॉर्मूले की चर्चा होती है। उन्होंने एक फॉर्मूला बताया है, जिसमें उन्होंने खेती में लगने वाली लागत यानी खाद, बीज, सिंचाई आदि के साथ साथ किसान और उसके परिवार का मेहनताना और जमीन का किराया भी शामिल किया है। ए2 प्लस एफएल और सी2 फॉर्मूला सबसे व्यापक आधार है, जिस पर एमएसपी तय की जानी चाहिए। इसके अलावा अभी सरकार 23 फसलों की ही एमएसपी तय करती है। किसान इसे बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। यह भी ध्यान रखने की बात है कि प्रधानमंत्री ने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था। उसकी समय सीमा निकल गई है।

इस दौरान किसानों की आय की बजाय कृषि लागत में बढ़ोतरी हुई है। इन सभी मसलों पर सार्थक पहल तभी हो सकती है, जब सरकार अपने वादे के मुताबिक एमएसपी पर विचार करने वाली कमेटी बनाए, उसमें संयुक्त किसान मोर्चा के प्रतिनिधियों को शामिल करके सकारात्मक चर्चा शुरू करे। यह भी जरूरी है कि सरकार सिर्फकारोबारियों या उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए कृषि कानूनों पर चर्चा न करे।

ये राधांसि ददत्यश्व्या मघा कामेन श्रवसो महः।
ताँ अंहसः पिपृहि पर्तृभिष्ट्वं शतं पूर्भिर्यविष्ठ्य।।

(ऋग्वेद ७–१६–१०)

हे प्रभु ! ऐसी दयालु जीवात्माएं है जो अपनी स्वयं की इच्छा से दूसरों को सफल जीवन के साधन ऊर्जा, धन, शक्ति आदि उपलब्ध कराती हैं और कीर्ति को प्राप्त होती है। ऐसी जीवात्माओं की पाप और पापियों से सैकड़ों प्रकार के रक्षण साधनों द्वारा रक्षा करनी चाहिए।

O God ! There are those types of people who, of their own free will, provide energy, money, power, etc., the means to a successful life for others and achieve the honour. Such people should be protected from sinners by hundreds of ways of protection. (Rig Veda 7-16-10)

अंतर्राज्जीय चोर गिरोह का पर्दाफाश एक गिरफ्तार, चार फरार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। अंतरराज्यीय ई रिक्शा चोरी गैंग का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी किए गये 6 ई रिक्शा बरामद किये है। आरोपी के अन्य चार साथी फरार है जिनकी तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार बीती 2 मई को धर्मेन्द्र पुत्र बाबू राम निवासी राजा कालोनी द्वारा थाना ट्रांजिट कैम्प में तहरीर देकर बताया गया था कि 16 अप्रैल की रात उनका ई रिक्शा मेरे भाई रामचरन के घर के बाहर से अज्ञात चोरों द्वारा चुरा लिया गया है।

❑चोरी के 6 ई-रिक्शा बरामद

मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। शहर में हुए कई ई रिक्शा चोरी होने से मामले की गम्भीरता को देखते हुए इस मामले के खुलासे मे एसओजी को भी लगया गया। जांच के दौरान संयुक्त टीम को घटना स्थल के आस पास कुछ फोन नम्बर सक्रिय होने का पता चला इस पर टीम द्वारा उन नम्बरों की जांच करते हुए कासम पुत्र नजाकत पहलवान निवासी तेवर खास थाना बिलारी जिला मुरादाबाद को बीती रात उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। जिसके पास से 6 ई रिक्शा बरामद हुए। आरोपी के द्वारा इन ई रिक्शा चोरी के मामले में अपने चार अन्य फरार साथियों के बारे में भी बताया गया। जिनकी तलाश पुलिस कर रही है। फरार बदमाशों के नाम तनवीर पुत्र मकसूद निवासी मौहल्ला जसौली थाना किला जिला बरेली, रोशन उर्फ रोशी पुत्र मकसूद निवासी मौहल्ला जसौली थाना किला जिला बरेल मकसूद अली पुत्र गफ्फार अली निवासी मोहल्ला जसौली थाना किला जिला बरेली व खालिद पुत्र अलीदार निवासी तेवरखास थाना बिलारी जिला मुरादाबाद बताये जा रहे है।

दो दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने खुले स्थान से दो दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार जाखन निवासी सुनील पासवान ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी एक्टिवा घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी। वहीं तरला आमवाला शास्त्रीपुरम निवासी कौशल बिजल्वाण ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उस ने अपनी एक्टिवा बिन्दाल पुल के पास खडी की थी लेकिन थोडी देर बाद जब वह वहां आया तो उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने दोनों मुकदमे दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

लाखों की दवायें लेकर चालक फरार

संवाददाता

देहरादूनं। लाखों रूपये की दवायों से भरे ड्रम लेकर चालक फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विंडलांस बायोटेक मौब्बेवाला के मैनेजर सोहन सिंह बिष्ट ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वाहन चालक कमलेश मौहब्बेवाला से दवाओं के पांच ड्रम लेकर सेलाकुई के लिए चला था लेकिन अभी तक सेलाकुई नहीं पहुंचा तथा उसका कुछ पता नहीं चल सका है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कार की चपेट में आकर एक घायल

संवाददाता

देहरादून। कार की चपेट में आकर एक व्यक्ति घायल हो गया जिसको स्थानीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पेपर मिल रोड सहारनपुर निवासी देवेन्द्र कुमार ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका बडा भाई किसी काम से सेलाकुई आया था जब वह हनुमान मन्दिर सेलाकुई के पास खडा था तभी एक अज्ञात कार चालक ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे उसका भाई गम्भीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नोटों के बदले कागज की गड्डी देकर लोगों को ठगने वाले गिरोह के 6 लोग गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। बैंक से पैसा निकालकर जा रहे लोगों को रूपयों के बदले कागज की गड्डी देकर ठगने वाल` गिरोह के छह लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक कागज की गड्डी, एक ब्रेजा कार व 69 हजार रूपये नगद बरामद कर लिये। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश में रोहित राजभर पुत्र सूरज राजभर निवासी चंद्रभागा के द्वारा मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अमरीक सिंह की दुकान में काम करता है। आज उसके मालिक अमरीक सिंह के द्वारा 73 हजार रूपये पंजाब नेशनल बैंक में जमा करने हेतु दिए गए जिन्हें जमा करने वह पंजाब नेशनल बैंक देहरादून रोड ऋषिकेश गया परंतु बैंक के अंदर कुछ अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा उसको अपनी बातों में लेकर उससे 34 हजार रूपये ठग लिए गए। जिसके बाद उसने उन्हें बाहर आकर तलाश किया तो कहीं दिखाई नहीं दिए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली ऋषिकेश के द्वारा एक पुलिस टीम बनाकर निम्नलिखित दिशा निर्देश दिए। जिस पर सांय को सूचना के आधार पर बैंक में ठगी करने वाले 06 शातिर लोग ठगी करने के लिए प्रयोग में लाई जाने वाली कागज की 01 गड्डी व नकद 69 हजार रूपये के साथ घटना में प्रयुक्त ब्रेजा कार के साथ देहरादून रोड फ्लाईओवर के पास से के पास से गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम पिंटू पुत्र रामनाथ राम निवासी लक्ष्मी नगर अक्षरधाम दिल्ली, सत्य प्रकाश पुत्र लालाराम निवासी ग्राम सिरसौल पट्टी थाना बिल्सी बदायूं, सोनू पुत्र राजाराम निवासी मकान वेस्ट कमल विहार थाना करावल नगर दिल्ली, अंसार पुत्र अब्दुल अंसार उर्फ गफ्फार निवासी कर्बला थाना दक्षिण जिला फिरोजाबाद, पंकज कुमार पुत्र छतु साहू निवासी हर्ष विहार टू चेतना पब्लिक विद्यालय थाना साहिबाबाद गाजियाबाद, ऋषि पाल सिंह पुत्र उदय सिंह निवासी वेस्ट कमल विहार डी थाना करावल नगर दिल्ली बताया। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वह लोग बैंक के अंदर ऐसे व्यक्ति का चयन करते हैं जोकि छोटा लड़का या बुजुर्ग हो। उसके बाद वह उसे लालच देते हैं कि वह कहीं से पैसा चोरी करके लाए हैं। यदि वह उनको अपने खुले हुए पैसे दे दे तो वह उसे बंधे हुए कुछ एक्स्ट्रा पैसे दे सकते हैं। कभी-कभी वह खुले पैसे लेकर बंधे हुए पैसे देने का बहाना बना कर भी कागज की गड्डी थमा कर वहां से निकल जाते हैं। वह पहले से कागज की 2-3 गड्डी को रुमाल में बांध कर रखते हैं, और उसके ऊपर एक नोट असली वाला लगा देते हैं। जिससे सामने वाले को यकीन हो जाए कि यह पैसों की गड्डी है। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

महेन्द्रा मैक्स चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने घर के बाहर खडी महेन्द्र मैक्स चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पथरीबाग निवासी सुंदर सिह पयाल ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी महेन्द्र मैक्स जीप घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब सुबह वह बाहर आया तो उसने देखा कि उसका वाहन अपने स्थान से गायब था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ग्रीष्मकालीन सत्रा गैरसेण में होः प्रभात

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल ने कहा कि गीष्मकालीन विधानसभा सत्र गैरसेण में ही जिससे आंदोलनकारियों की भावनाएं आहत ना हो। आज यहां दिशा संस्था के उपाध्यक्ष व राज्य आंदोलनकारी प्रभात डंडरियाल व आरिफ वारसी ने आज एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा है कि प्रदेश सरकार द्वारा ग्रीष्मकालीन विधानसभा सत्र गैरसेण में न कराए जाने से राज्य की जनता आहत है। स्मरण रहे कि भाजपा के तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत ने गैरसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित किया था मगर ग्रीष्म काल के दौरान विधानसभा सत्र वहां पर न कराकर प्रदेश की सरकार देहरादून में सत्र कराने जा रही है जो कि एक सोचनीय विषय है डंडरियाल व वारसी ने धामी सरकार से उम्मीद जताई कि वे अपने इस निर्णय पर पुनः विचार कर राज्य का विधानसभा का सत्र गैरसेंण में कराएंगे जिससे राज्य के आंदोलकारियों की भावनाएं आहत न हो।

दिनदहाड़े डकैतियां-लूट तो होंगी ही, जब सरकार का हो संरक्षणः मोर्चा

नगर संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि पिछले कई महीनों से दिनदहाड़े लूट, हत्याएं, डकैती की वारदात हो रही हैं, लेकिन सुशासन की बड़ी-बड़ी बातें करने वाली सरकार इन पर अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रही है। दुर्भाग्य की बात है एक तरफ तो सुशासन की बात की जाती है दूसरी तरफ गंभीर प्रवृत्ति के मुकदमें वापस लेकर सरकार एक तरह से इनको खुला संरक्षण दे रही है।

उन्होने कहा कि कुछ माह पहले सरकार ने धोखाधड़ी,फर्जीवाड़ा व कूट रचित दस्तावेज के आधार पर षड्यंत्र रचने वाले तथा हत्या के प्रयास जैसे मुकदमें जनहित में दर्शाकर वापस लिए, जोकि सरासर सर्वोच्च न्यायालय की अवमानना है। सरकार द्वारा धारा 321 का दुरुपयोग कर सभी मामले जनहित में

दर्शाए गए हैं, जबकि इन मुकदमों का दूर-दूर तक जनहित से कोई वास्ता नहीं

❑गंभीर प्रवृत्ति के मुकदमें वापसी लेने में सरकार को दिखता है सुशासन

है। नेगी ने कहा कि माह अगस्त 2021 को सर्वोच्च न्यायालय ने सभी प्रदेशों के उच्च न्यायालयों से धारा 321 का दुरुपयोग रोकने के निर्देश दिए तथा यह भी चिंता जताई कि सरकार जनहित के नाम पर गंभीर प्रवृत्ति के मुकदमे वापस ले रही है, जो कि अनुचित है। सरकार के इस प्रकार के निर्णय से समाज में गलत संदेश जा रहा है तथा बदमाशों, जालसाजों के हौसले बुलंद हो रहे है। मोर्चा ने सरकार को चेताया कि दोहरी पॉलिसी पर काम करना बंद करे। पत्रकार वार्ता में कल्पना बिष्ट, सायरा बानो, नीरू त्यागी, तारा नेगी, बालेश्वरी पटवाल मौजूद थे।

दुशांबे में पाक क्यों नहीं आया?

वेद प्रताप वैदिक

अफगानिस्तान के आठ पड़ौसी देशों का एक चौथा सम्मेलन ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में इस हफ्ते हुआ। इस सम्मेलन में कजाकिस्तान, किरगीजिस्तान, उजबेकिस्तान और ताजिकिस्तान ने तो भाग लिया ही, उनके साथ रूस, चीन, ईरान और भारत के प्रतिनिधि भी उसमें गए थे। यह सम्मेलन इन देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों का था। भारत से हमारे प्रतिनिधि अजित दोभाल थे। उनके साथ विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव जे.पी. सिंह भी थे लेकिन पिछली बार जब यह सम्मेलन भारत में हुआ था तो चीनी प्रतिनिधि इसमें सम्मिलित नहीं हुए थे। उन्होंने कोई बहाना बना दिया था।

पाकिस्तान न तो उस सम्मेलन में आया था और न ही इस सम्मेलन में आया। क्यों नहीं आया? क्योंकि एक तो इसमें भारत की उपस्थिति ऐसी है, जैसे किसी ड्राइंग रूम में हाथी की होती है। भारत इन देशों में चीन के बाद सबसे बड़ा देश है। भारत आतंकवाद का शिकार हुआ है। पाकिस्तान के लिए वह सिरदर्द बन सकता है लेकिन इस बार चीन दुशांबे में तो आया लेकिन दिल्ली में नहीं आया। क्यों नहीं आया, क्योंकि वह दिल्ली आता तो पाकिस्तान नाराज़ हो सकता था।

पाकिस्तान और चीन की दोस्ती मामूली नहीं है। इस्पाती है। इसके बावजूद भारत और ताजिकिस्तान ने अफगानिस्तान में सक्रिय आतंकवादियों की भर्त्सना की और काबुल में सर्वसमावेशी सरकार की मांग की। ताजिकिस्तान वही देश है, जहां काबुल से भागकर राष्ट्रपति अशरफ गनी पहुंच गए थे। अफगानिस्तान के फारसीभाषी ताजिक लोग उसका सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समूह हैं जबकि तालिबान मुख्यत: गिलजई पठान हैं। ताजिकिस्तान में बैठकर ही अहमदशाह मसूद ने काबुल की रूसपरस्त सत्ता को हिला रखा था।

अब भी तालिबान का काबुल पर कब्जा होते ही मसूद के बेटे और भाई दुशांबे में बैठकर तथाकथित प्रवासी सरकार चला रहे हैं। इस सम्मेलन से तालिबान इसलिए भी बाहर है कि एक तो उनकी सरकार को किसी ने भी मान्यता नहीं दी है और दूसरा वे ताजिक दखलंदाजी के खिलाफ हैं। चाहे जो हो, इस सम्मेलन में रूस और चीन की उपस्थिति बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि पूतिन का रूस अब ब्रेजनेव वाला रूस नहीं रहा और चीन को अपने शिन च्यांग में चल रहे उइगर मुसलमानों से बहुत परेशानी है। लाखों उइगर मुसलमानों को चीन ने यातना-शिविरों में बंद कर रखा है। इस दृष्टि से भारत और चीन की चिंताएं लगभग एक-जैसी हैं। जैसे हमारे कश्मीर और पंजाब में वैसे ही शिनच्यांग में आतंकवादी काफी सक्रिय हैं। पाकिस्तान को इस सम्मेलन में सबसे अधिक सक्रिय होना चाहिए, क्योंकि आतंकवाद सबसे ज्यादा उसी का नुकसान कर रहा है। इस सम्मेलन ने आतंकवाद-विरोध और सर्वसमावेशी सरकार की जमकर मांग की लेकिन मंहगाई, बेरोजगारी और अभाव से ग्रस्त जनता की मदद के लिए ये सभी राष्ट्र कोई बड़ी घोषणा करते तो बहुत अच्छा रहता।

कांग्रेस हिम्मत नहीं जुटा सकी

जिस तरह भाजपा ने राज्यसभा चुनाव में तीन जगह कांग्रेस को उलझाया है वैसे ही अगर कांग्रेस हिम्मत करती तो वह भी कुछ जगह भाजपा को उलझा सकती थी। बिहार और झारखंड में कांग्रेस अगर अतिरिक्त उम्मीदवार देती या किसी निर्दलीय को उतार कर समर्थन देती तो भाजपा मुश्किल में फंसती। झारखंड में भाजपा के कुल 26

विधायक हैं, जिनमें से एक की तबियत खराब है और वे हैदराबाद के अस्पताल में भर्ती हैं। उनका वोट डालना मुश्किल लग रहा है। दूसरे विधायक बाबूलाल मरांडी की सदस्यता खतरे में है और स्पीकर कभी भी उन्हें अयोग्य कर सकते हैं। राज्य में एक सीट जीतने के लिए 27 वोट की जरूरत है। जेएमएम के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार को 5० विधायकों का समर्थन है। वहां कांग्रेस चाहती तो पेंच फंसा सकती थी। इसी तरह बिहार में भाजपा के 77 विधायक हैं और उसे दो सीटें जीतने के लिए 82 वोट चाहिए। अगर जदयू अपने चार वोट उसे दे तब भी एक वोट कम पड़ेगा। दूसरी ओर कांग्रेस, राजद, लेफ्ट और एमआईएम के एक 116 विधायक हैं। राजद के दो उम्मीदवार जीतने के बाद विपक्ष के पास 34 वोट बचेंगे। जदयू और भाजपा के रिश्ते को देखते हुए और मांझी की नाराजगी को देखते हुए अगर कांग्रेस ने पहल की होती और किसी निर्दलीय को उतारा होता तो वहां भी पेंच फंस सकता था। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

सिर्फ 15 मिनट में पाए दाग-धब्बों रहित निखरी साफ त्वचा

दाग-धब्बों रहित और निखरी साफ त्वचा हर किसी को पसंद होती है। जिसके लिए हम तरह-तरह की क्रीम और रसायन युक्त उत्पादों को त्वचा पर लगाते है लेकिन अगर आप प्राकृतिक घरेलू उत्पादों में विश्वास रखते हैं, तो आज हम आपके लिए स्ट्रौबरी से बने कुछ घरेलू फेस मास्क लेकर आए हैं, जो कील-मुहांसों और एक्ने की समस्या को कम करने के साथ त्वचा में चमक भी ला सकता है। स्ट्रॉबेरी सभी का मनपसंद फल होता है। सेहत के लिए फायदेमंद होने के साथ-साथ यह सौन्दर्य और त्वचा की देखभाल के लिए भी बहुत उपयोगी माना जाता है। एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर स्ट्रॉबेरी त्वचा में कसाव के साथ-साथ मृत त्वचा को दूर कर दमकती स्किन देती है।

स्ट्रॉबेरी में सोडियम, पोटैशियम, कार्बोहाइड्रेट, शुगर और विटमिन्स के साथ आयरन, मैग्नीशियम और प्रोटीन भी होता है। स्ट्रॉबेरी में पाया जाने वाला सैलिसिलिक एसिड त्वचा की परत एपिडर्मिस को साफ करके रोम छिद्रों को खोलने का काम करता है। इसके अलावा यह त्वचा की नई कोशिकाओं के विकास में और विभिन्न प्रकार के बैक्टीरिया को खत्म करने में कारगर हो सकता है। इसलिए स्ट्रौबरी फेस पैक के द्वारा एक्ने की समस्या में कमी की जा सकती है।

स्ट्रॉबेरी और प्रेश क्रीम मास्क

सबसे पहले आप स्ट्रॉबेरी प्यूरी लें अब इसमें प्रेश क्रीम (ड्राई स्किन के लिए) और दही (ऑयली त्वचा के लिए) के साथ एक चम्मच शहद मिला लें। आपका पैक तैयार है। तैयार पैक को अपने फेस पर लगाकर 1० मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद गुनगुने पानी से अपने चेहरे को साफकरे। यह आपकी त्वचा में मुंहासों को दूर कर स्किन पर चमक और निखार लाता है।

स्ट्रॉबेरी फेस मास्क

यह फेस मास्क सरल और आसान है। इसे तैयार करने के लिए बस आपको तीन या चार स्ट्रॉबेरी की प्यूरी तैयार करनी है। बिना किसी चीज को मिलाए इस प्यूरी को अपने फेस पर लगा ले। 15 मिनट के लिए इसे सूखने दे और फिर नार्मल पानी से इसे धो लें। और यह आपको पार्लर जैसी ताज़ा और चमकदार त्वचा देने में आपकी मदद करता है।

स्ट्रॉबेरी और चॉकलेट मास्क

स्ट्रॉबेरी को मसलकर पेस्ट तैयार करें। इसमें शहद और एक चम्मच कोको पाउड को मिलाए। तैयार पेस्ट 15 मिनट के लिए फेस पर लगाकर छोड़ दें। यह प्राकृतिक तरीके से मृत त्वचा की परत को उतारता है। एंटी-बैक्टीरियल गुण से युक्त शहद आपकी स्किन को मुलायम बनाता है। जबकि स्ट्रॉबेरी और कोको आपकी स्किन को चमकाने का काम करते हैं। त्वचा सॉफ्ट और ग्लोइंग बनेगी।

स्ट्रॉबेरी और नींबू मास्क

त्वचा को चमकाने के लिए स्ट्रॉबेरी और नींबू से बना मास्क लगाएं। यह आपकी स्किन से टैन को दूर कर स्किन की रंगत को निखारने का काम करता है। इसके लिए स्ट्रॉबेरी पेस्ट में एक चम्मच नींबू के रस को मिलाए। अपने फेस पर इस मास्क को लगाएं। 1० मिनट बाद गुनगुने पानी से चेहरे को साफकर लें।

स्ट्रॉबेरी और दलिया

4-5 स्ट्रॉबेरी और एक चम्मच दलिया मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे चेहरे पर लगाकर हलके हाथों से मसाज करें। कुछ ही दिनों में त्वचा ग्लो करने लगेगी।

स्ट्रॉबेरी और एलोवेरा

5-6 स्ट्रॉबेरी में एक चम्मच एलोवेरा जेल मिलाकर लगाएं। पिम्पल्स के कारण होने वाले दाग-धब्बे ठीक हो जाएंगे।

गुलाबी होंठ

होंठों पर मैश स्ट्रॉबेरी लगाकर कुछ देर छोड़ दे। रोजाना ऐसा करने से होंठ गुलाबी बने रहेंगे। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -057

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

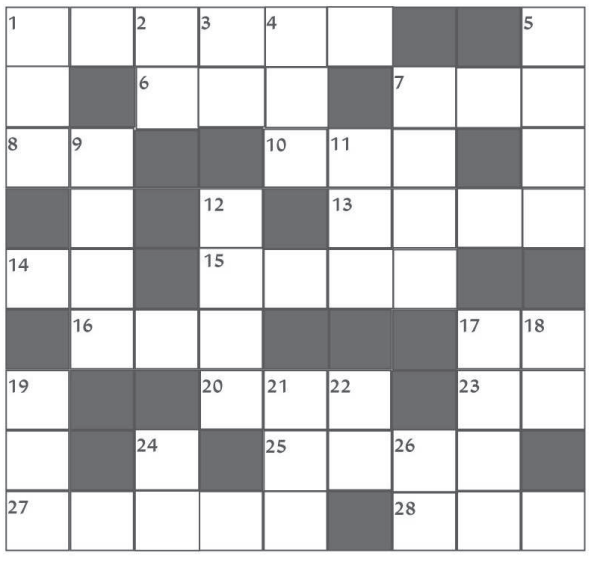

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 056 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

रोहित शेट्टी और रणवीर सिंह ने एक बार फिर अपकमिंग प्रोजेक्ट के लिए मिलाया हाथ

खतरों के खिलाड़ी रोहित शेट्टी और बॉलीवुड के एंनर्जेटिक एक्टर रणवीर सिंह एक बार फिर फैंस के लिए कुछ नया लाने के लिए तैयार हैं। सूर्यवंशी और सर्कस के बाद अब ओर और कमर्शियल एंटरटेनर लेकर आने वाले हैं। कुछ देर पहले दोनों ने शूटिंग के दौरान की एक क्लिप सोशल मीडिया पर साझा की, जो खूब वायरल हो रहा है।वीडियो में उड़ती कारों और तेज़ एक्शन के साथ एक चोक-ए-ब्लॉक दिखाया गया है, जो हमें उनके सेट की हिंट दे रहा है। और रोहित शेट्टी उन्हें डॉयरेक्ट करते नज़र आ रहे हैं। रोहित ने वीडियो को कैप्शन के साथ पोस्ट किया, बस एक झलक कि हम एक नूडल कमर्शियल कैसे शूट करते हैं... मुझे पता है गाड़ियां इसमे भी उड़ रही हैं लेकिन क्या करें... सीधा काम तो हमें आता ही नहीं है ! रोहित उनका मार्गदर्शन करते हुए कह रहे हैं कि आराम से करना। इसके बाद वीडियो में ढेर सारा एक्शन देखने को मिलता है और लिखा आता है, जब उनकी बात आती है तो आप नॉर्मल की उम्मीद नहीं कर सकते। यह एक ब्लॉकबस्टर मसाला एंटरटेनर होना चाहिए। आपको बता दें कि रोहित और रणवीर चिंग्स के एक एड के लिए साथ में आए हैं। वहीं, रणवीर सिंह ने भी वीडियो को शेयर करते हुए लिखा, 'बॉस और बाबा एक बार फिर साथ वापस लौटे हैं। यह विज्ञापन पहली बार नहीं है जब दोनों हाथ मिला रहे हैं। इससे पहले वे सिंबा के लिए साथ काम कर चुके हैं और इतना ही नहीं शेट्टी की फिल्म सूर्यवंशी में रणवीर का कैमियो है। साथ ही वह रोहित शेट्टी की फिल्म सर्कस में भी नजर आएंगे। अपकमिंग फिल्म सर्कस में रणवीर सिंह, पूजा हेगड़े, जैकलीन फर्नांडीज और वरुण शर्मा हैं, जो दिसंबर 2022 में रिलीज़ होगी।

भावदेयुडु भगत सिंह से बाहर हुई पूजा हेगड़े

पूजा हेगड़े, जो अपनी आगामी फिल्म भावदेयुडु भगत सिंह में तेलुगु सुपरस्टार पवन कल्याण के साथ मुख्य भूमिका निभाने की अफवाह थी, उस से बाहर हो गई हैं। सूत्रों के अनुसार, राधे श्याम की अभिनेत्री ने बड़ी फिल्म से बाहर होने का विकल्प चुना है, क्योंकि इसे स्थगित कर दिया गया है, और वह अस्पष्टता के साथ अपनी तारीखों की योजना नहीं बना पा रहीं थी। गब्बर सिंह फेम हरीश शंकर द्वारा निर्देशित भवदेयुडु भगत सिंह पवन कल्याण के लिए काम कर रही है, जिसे अभी अपनी अन्य लंबे समय से प्रतीक्षित परियोजनाओं को पूरा करना बाकी है। पूजा हेगड़े जैसी उभरती हुई स्टार के लिए अपने काम के शेड्यूल की पुष्टि किए बिना उसे डेट्स देना जोखिम भरा है, क्योंकि वह अन्य अवसरों से चूक सकती है। बीस्ट की अभिनेत्री वर्तमान में सलमान खान के साथ अपनी अगली फिल्म कभी ईद कभी दीवाली की शूटिंग कर रही है। पूजा को महेश बाबू की अगली फिल्म अला वैकुंठपुरमलो फेम त्रिविक्रम श्रीनिवास के निर्देशन में आने का प्रस्ताव भी मिला है।(आरएनएस)

ऑन-स्क्रीन किरदार से बिल्कुल अलग हैं मेरा व्यवहार- करिश्मा सावंत

टीवी शो ये रिश्ता क्या कहलाता है में आरोही की भूमिका निभा रहीं एक्ट्रेस करिश्मा सावंत का कहना है कि वह अपने किरदार से बिल्कुल अलग हैं। सावंत का कहना है कि वह जिदंगी के उस पड़ाव पर है, जहां वह खुद को ऊपर उठाने और अपने अतीत से आगे बढ़ने की कोशिश कर रही हैं। यह गुण उनके किरदार आरोही में भी है। लेकिन वह अपने किरदार से बहुत अलग हैं। एक्ट्रेस आगे कहती है कि जब भी वह अपने फैंस से मिलती हैं, तो वे कहते हैं कि आप इतनी शांत हैं, हम आपको स्क्रीन पर जिस तरह से देखते हैं, आप उससे बहुत अलग हैं। वह फैंस के इन शब्दों को एक तारीफ के रूप में लेती हैं। सावंत कहती है, जैसा कि मैंने ऊपर कहा कि अच्छी तारीफ तब होती है, जब असल जिंदगी में मुझसे मिलने वाले लोग यह विश्वास नहीं पाते कि मैं आरोही हूं। यह एक अभिनेता के लिए सबसे अच्छी तारीफ होती है, क्योंकि मैं कुछ ऐसा कर रही हूं, जो मुझसे बिल्कुल विपरीत हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि वह हिट शो का हिस्सा बनकर खुद को भाग्यशाली महसूस कर रही है।

कार्तिकेय 2 का मोशन पोस्टर रिलीज, द्वारका के रहस्यों से उठेगा पर्दा

मशहूर एक्टर निखिल सिद्धार्थ की फिल्म कार्तिकेय 2 का मोशन पोस्टर रिलीज हो चुका है। पोस्टर द्वारका के रहस्यों को दर्शाता है। फिल्म का पोस्टर निखिल सिद्धार्थ के जन्मदिन के मौके पर रिलीज किया गया। इस फिल्म के जरिए अभिनेता निखिल, निर्देशक चंदू मोंडेती के साथ दूसरी बार काम कर रहे हैं। कार्तिकेय की पहला पार्ट साल 2014 में रिलीज हुआ था। निखिल सिद्धार्थ ने फिल्म का पोस्टर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया और कैप्शन में लिखा- हमारी फिल्म कार्तिकेय 2 तेलुगु, हिंदी, कन्नड़, तमिल और मलयालम में 5 भाषाओं में रिलीज होगी।

यह 22 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। आइए हमसे जुड़े इस महाकाव्य दिव्य यात्रा में। यह फिल्म द्वारका के रहस्यों पर आधारित है। फिल्म में निखिल, अनुपमा परमेस्वरन और अभिनेता श्रीनिवास रेड्डी मुख्य किरदार में हैं। तीनों रहस्य की खोज करने एक मिशन पर जुटते हैं। इस फिल्म को पीपल मीडिया फैक्ट्री और अभिषेक अग्रवाल आर्ट्स ने संयुक्त रूप से प्रोड्यूस किया है।

10 साल बाद टीवी पर लौटेंगी उर्मिला मातोंडकर

90 के दशक में लोकप्रिय अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर का जादू चलता था। वह फिल्मों में डांस नंबर पर थिरकने के लिए जानी जाती थीं। अब उनके फैंस के एक खुशखबरी आई है। दरअसल, वह एक दशक बाद छोटे पर्दे पर वापसी करने वाली हैं। वह एक डांस रियलिटी शो डीआईडी सुपर मॉम्स को जज करेंगी, जिसमें भारतीय माताएं प्रतियोगी के रूप में शामिल होती हैं। उनके साथ मशहूर अदाकारा भाग्यश्री भी जज की कुर्सी संभालेंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, उर्मिला और भाग्यश्री डीआईडी सुपर मॉम्स को जज करती हुई नजर आएंगी। एक सूत्र ने कहा, उर्मिला ने कुछ समय पहले ही यह प्रोजेक्ट साइन किया था, जबकि भाग्यश्री हाल में इसका हिस्सा बनी हैं। खाब बात यह है कि इस शो के जरिए भाग्यश्री जज के रूप में अपना डेब्यू करेंगी। 90 के दशक की दोनों अभिनेत्रियों को शो में साथ देखना फैंस के लिए किसी तोहफे से कम नहीं होगा।

भाग्यश्री ने शो में अपनी भागीदारी को लेकर अनुभव साझा किया है। उन्होंने कहा, मैं इस शो की राह देख रही हूं। खुद एक सुपर मॉम होने के नाते मैं इसे जज करना नहीं कह सकती। यह उन्हें प्रोत्साहित करने और उनके सपनों को प्राप्त करने के लिए एक मंच प्रदान करने जैसा होगा, जिन्होंने अपनी कहानी बताने के लिए इस रास्ते पर चलने का निर्णय लिया। उन्होंने उर्मिला के साथ स्क्रीन शेयर करने को लेकर अपनी खुशी जताई।

उर्मिला की बात करें तो उन्होंने आखिरी बार 2012 में मराठी टीवी शो डांस इंडिया डांस महाराष्ट्र को जज किया था। तभी से छोटे पर्दे से उर्मिला की मौजूदगी नदारद रही है। भाग्यश्री को आखिरी बार अपने पति हिमालय दसानी के साथ स्मार्ट जोड़ी में प्रतियोगी के रूप में देखा गया था। शो में भाग्यश्री और हिमालय की केमिस्ट्री कमाल की लगी थी। दोनों के बीच एक रोमांटिक बॉन्डिंग देखने को मिली थी।

डीआईडी सुपर मॉम्स का आगामी सीजन इस शो का तीसरा सीजन होगा। खबरों की मानें तो डीआईडी सुपर मॉम्स 3 की शूटिंग जुलाई के दूसरे हफ्ते में शुरू होगी। अभिनेता जय भानुशाली फिर से शो की मेजबानी करते दिखेंगे। यह एक ऐसा शो है, जिसमें देशभर की माएं अपने डांस का तड़का लगाती हैं। इस शो ने हमेशा महिलाओं की काबिलियत, हुनर और सशक्तिकरण को प्रमोट किया है। इसका प्रसारण बहुत जल्द जी टीवी पर हो सकता है।

1995 में रिलीज हुई फिल्म रंगीला में उर्मिला के अभिनय को सराहना मिली थी। कम्बख्त इश्क (प्यार तूने क्या किया), आ ही जाइए (लज्जा) और मुझे प्यार हुआ (जुदाई) जैसे कई हिट डांस नंबर में उर्मिला का जलवा देखने को मिला है।(आरएनएस)

शाहरुख ने किया एटली की फिल्म जवान का ऐलान

शाहरुख खान काफी समय से साउथ फिल्ममेकर एटली की अगली फिल्म को लेकर लाइम लाइट में हैं। यह शाहरुख का ड्रीम प्रोजेक्ट है। अब अभिनेता शाहरुख ने इस फिल्म का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म की घोषणा करते हुए एक मजेदार टीजर शेयर किया है। एटली के लिए भी यह फिल्म खास है, क्योंकि इसके साथ वह बॉलीवुड में अपनी किस्मत आजमाने जा रहे हैं।

शाहरुख ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर फिल्म के नाम से पर्दा उठाया है। एटली की उनकी अगली फिल्म का शीर्षक जवान होगा। शाहरुख ने अपने पोस्ट में लिखा, एक्शन से भरपूर 2023 ! 2 जून, 2023 को सिनेमाघरों में एक धमाकेदार एंटरटेनर जवान को आपके लिए ला रहा हूं। यह फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में दर्शकों के बीच आएगी। रिलीज डेट के साथ ही फिल्म से शाहरुख की झलक भी सामने आ चुकी है।

रेड चिलीज एंटरटेनमेंट ने अपने आधिकारिक यूट्यूब हैंडल पर फिल्म का टीजर शेयर किया है। इसमें शाहरुख का लुक काफी यूनिक लग रहा है। उन्हें कभी इस तरह के अवतार में नहीं देखा गया है। वह अपने माथे पर पट्टी बांधे हुए नजर आए और उनका चेहरा लहूलुहान दिखा है। हाथों में बंदूक थामे शाहरुख का एक्शन अवतार काफी इंटेंस लग रहा है। इसमें शाहरुख की खौफनाक हंसी देखने लायक है।

इस फिल्म को लेकर शाहरुख काफी उत्साहित दिखे हैं। शाहरुख ने फिल्म को लेकर अपना अनुभव साझा करते हुए कहा, फिल्म जवान एक सार्वभौमिक कहानी है, जो भाषाओं और भौगोलिक क्षेत्रों से परे जाती है। यह फिल्म सभी के आनंद के लिए है। इस अनूठी फिल्म को बनाने का श्रेय एटली को जाता है। यह फिल्म मेरे लिए भी एक शानदार अनुभव रहा है, क्योंकि मुझे एक्शन फिल्में पसंद हैं।

शाहरुख रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के तले फिल्म का निर्माण करेंगे। फिल्म निर्माण में उनकी पत्नी गौरी खान शाहरुख का साथ दे रही हैं। शाहरुख की फिल्म में दक्षिण भारतीय सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री नयनतारा भी नजर आएंगी। फिल्म में सुनील ग्रोवर और साउथ अभिनेता राणा दग्गुबाती के दिखने की खबरें सामने आ चुकी हैं। चर्चा है कि फिल्म में शाहरुख डबल रोल में होंगे। एक किरदार गैंगस्टर के बेटे का है, तो वहीं दूसरा किरदार रॉ अधिकारी का है।

अंतिम बार शाहरुख को 2018 में आई फिल्म जीरो में अभिनय करते हुए देखा गया था। इस फिल्म को कोई खास सफलता नहीं मिली थी। अब वह पठान के जरिए रूपहले पर्दे पर वापसी करेंगे। फिल्म अगले साल 25 जनवरी को रिलीज होगी।

मुद्रा ऋणः समानता पर आधारित समृद्धि का एक सेतु

सौम्य कांति घोष

अपने शुरुआती दिनों से ही, मोदी सरकार आजादी के बाद के छह दशकों के दौरान गुप्त रूप से बनाई गई बहिष्करण की संस्कृति को अनिवार्य रूप से बदलना चाहती थी। बहिष्करण की यह संस्कृति और कुछ नहीं बल्कि हाशिए व पिरामिड के सबसे निचले पायदान पर बैठे लोगों को छोडक़र आगे बढऩे की संस्कृति थी! इस स्थिति ने नए नीति-निर्माताओं को हमारे विशाल देश के कोने-कोने में समानता पर आधारित उद्यमशीलता के विकास के लिए बेचैन कर दिया। इस संबंध में, दो योजनाओं यानी प्रधानमंत्री जन धन योजना और मुद्रा ऋण ने इस देश की उद्यमशीलता की भावना को एक नई आजादी के वादे के साथ यहां के वित्तीय समावेशन, जमा एवं उधार, दोनों, से जुड़े परिदृश्य को बदलकार रख दिया है।

पिछले सात वर्षों में, बैंकों (आरआरबी सहित)/एनबीएफसी/एमएफआई ने कुल मिलाकर लगभग 18.4 लाख करोड़ रुपये की राशि के 35.32 करोड़ मुद्रा ऋण वितरित किए हैं, जिसमें सबसे छोटे उधारकर्ताओं के लिए औसतन 52,००० रुपये का ऋण शामिल है। इनमें से लगभग दो-तिहाई ऋण महिला उद्यमियों के लिए स्वीकृत किए गए हैं। यह मानते हुए कि प्रत्येक इकाई में कम से कम दो व्यक्ति कार्यरत हैं, एक रूढ़िवादी आकलन के आधार पर, ये इकाइयां 1० करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान कर रही हैं।

वित्तीय समझ के मामले में थोड़े कम जानकार, लेकिन व्यावसायिक कौशल और कुछ बड़ा करने के सपनों से भरपूर लोगों की विभिन्न जरूरतों से अवगत रहते हुए सरकार ने विशेष रूप से उद्यमियों की विभिन्न श्रेणियों- शिशु, तरुण और किशोर- के हितों के संरक्षण के लिए मुद्रा ऋण की तीन श्रेणियां बनाईं। इस संबंध में मार्गदर्शक सिद्धांत यह था कि बदलते समय के साथ एक शिशु ऋणी हमेशा के लिए शिशु की श्रेणी में नहीं रहेगा, बल्कि वह एक तरुण के रूप में विकसित होगा, एक तरुण समय के साथ किशोर बन जाएगा और इसी क्रम में वह आगे समानता और समृद्धि सुनिश्चित करता जाएगा!

लेकिन, सरकार को 2०14 के बाद की परिस्थितियों में कई चुनौतियों से पार पाना पड़ा। कोई कारगर व्यवस्था मौजूद नहीं थी। इस प्रस्तावित विशाल आकार की योजना को सहारा देने के लिए कोई संरचना या बुनियादी ढांचा उपलब्ध नहीं था। सरकार ने आपसी विश्वास का माहौल बनाकर प्रचलित संस्कृति को अनुशासित किया। सरकार एक साफ्टसुथरे मॉडल के जरिए इतने बड़े पैमाने पर उद्यमशीलता को बढ़ावा दे रही थी जिसे पहले कभी नहीं आजमाया गया था। विकास और आय सृजन के अवसर उपलब्ध थे, लेकिन हाशिए पर बैठे लोगों को इस बात का यकीन नहीं था कि उनकी उद्यमशीलता की भावना को बैंकिंग प्रणाली से उत्साहवर्द्धक समर्थन भी मिलेगा।

सरकार द्वारा गारंटी और भरोसे (सीजीएफएमयू) के निर्माण ने यह सुनिश्चित किया कि बैंक तथा अन्य वित्तीय मध्यस्थ ऋण स्वीकृति एवं वितरण के लिए आश्वस्त हो जायें। 1० लाख रुपये तक के ऋण पर अब केन्द्र सरकार द्वारा प्रायोजित ट्रस्ट से गारंटी मिलती है। उधारदाताओं के पास बिना किसी अन्य संपार्श्विक प्रतिभूति के उधार देने की अतिरिक्त सुविधा है। जल्द ही यह एक सर्वव्यापी परिघटना बन गई जिसमें इस देश के आम नागरिकों ने बड़ी वित्तीय संस्थाओं के पोर्टल को अपने लिए

खुला पाया!

सरकार ने इस प्रक्रिया को कारगर बनाने और इसकी निगरानी करने के लिए प्रौद्योगिकी का भी इस्तेमाल किया। इस योजना की व्यापक स्वीकृति को प्रोत्साहित करने और लोगों को इस योजना के विवरण एवं बारीकियों से परिचित कराने के लिए बैंकिंग संवाददाताओं का सहारा लिया गया।

मुद्रा योजना के माध्यम से लोगों के सफल सशक्तिकरण की कई आकर्षक कहानियां हैं। सफलता की कई ऐसी कहानियां उन महिला कर्जदारों की हैं, जिन्होंने अपने परिवारों को आजीविका सहायता प्रदान करने के मामले में खुद को अग्रणी साबित किया है और यहां तक कि उन्होंने अन्य परिवारों को भी रोजगार प्रदान किया है। उन्होंने खुद को अनौपचारिक साहूकारों के चिरस्थायी बंधन से मुक्त कर लिया है और बैंकों द्वारा प्रदान किए गए वित्तीय सहायता के सहारे आगे बढ़ी हैं। मुद्रा ऋण पाने वाले कुल लाभार्थियों में दो-तिहाई महिलाएं हैं। उनमें से कई सामाजिक रूप से वंचित समूहों से आती हैं और वे देश के सामाजिक-सांस्कृतिक ताने-बाने को बदल रही हैं।

सफलता की ये कहानियां इस बात की याद दिलाती हैं कि कोई भी सूक्ष्म व्यवसाय कठिनाइयों एवं नादानियों के जरिए, उथल-पुथल एवं चुनौतियों के जरिए ही बड़ा बन सकता है! कोई भी चुनौती उसके अदम्य साहस और जीवट को तोड़ नहीं सकती।

देश ने कोविड महामारी के दौरान उद्यमशील भारत की दृढ़ भावना को भी देखा। कुछ विद्वान लोगों ने कहा कि व्यवस्था पर काफी दबाव बनेगा, अटके हुए कर्ज कई गुना बढ़ जायेंगे। लेकिन, उन्हें विस्मित करते हुए यह व्यवस्था इतनी मजबूत थी कि बिना किसी खरोच के सुरक्षित तरीके से आगे बढ़ गई। सरकार ने व्यापारी वर्ग की इस निडर नई नस्ल को सहयोग देने का अपना संकल्प बनाए रखा। सरकार ने उधारकर्ताओं के बोझ को काफी हद तक कम करने के लिए 2 प्रतिशत ब्याज अनुदान योजना भी शुरू की जोकि आज भी जारी है।

एक नया डिजिटल इंडिया उभरकर सामने आ रहा है, जो हमारी वित्तीय प्रणाली में क्रांति ला रहा है। आज, भारत में एक ऐसी सुव्यवस्थित प्रणाली है जो किसी व्यक्ति को अपने घर बैठे ही ऋण के लिए आवेदन करने हेतु बैंक के ऐप का उपयोग करने में मदद करती है। मुद्रा ऋण देने के लिए एनबीएफसी और माइक्रो फाइनेंस संस्थानों ने बैंकों/आरआरबी के साथ हाथ मिलाते हुए नए अवसर पैदा किए हैं। कॉरपोरेट जगत को नई आपूर्ति श्रृंखला प्राप्त हो रही। इस प्रक्रिया का गुणक प्रभाव यह है कि ऋण के रूप में दिया गया एक रुपया चक्रीय अर्थव्यवस्था में काफी कमाई कर रहा है। इसमें उधारकर्ताओं और उनके परिवारों के लिए ऐसी सामाजिक सुरक्षा अंतर्निहित हैं, जिनके बारे में पहले कभी नहीं सोचा गया था! इससे आगे बढ़ते हुए, कृषि और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के क्षेत्र में विभिन्न सरकारी कल्याणकारी एवं प्रोत्साहन योजनाओं को मुद्रा योजनाओं के साथ बेहतर ढंग से एकीकृत किया जा सकता है। साथ ही, फिन-टेक और स्टार्ट-अप से संबंधित इकोसिस्टम का बेहतर उपयोग सीमा पार जाकर एक व्यापक एवं चहुमुखी विकास के परिप्रेक्ष्य को सामने लाने के लिए किया जा सकता है।

मुद्रा ऋण योजना सफलता की एक ऐसी कहानी है जो यह दिखलाती है कि कैसे एक सही राजनीतिक इरादा सामाजिक-आर्थिक-सांस्कृतिक शक्तियों के साथ मिलकर एक स्थायी एवं समानता आधारित बदलाव का गुणक प्रभाव पैदा सकता है। हालांकि हमारा यह मानना है कि यह एक ऐसे उद्यमी भारत के अमृत काल की सिर्फ शुरुआत भर है जिसे खुद पर काफी भरोसा है!

(लेखक भारतीय स्टेट बैंक के समूह मुख्य आर्थिक सलाहकार हैं। ये उनके निजी विचार हैं)

सू- दोकू क्र. 57

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 56 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4

जैसे आठ साल वैसे 1०, 15 या 2० साल

हरिशंकर व्यास

प्रधानमंत्री जापान गए तो वहां प्रवासी भारतीयों के बीच कहा, 'मैं मक्खन पर नहीं पत्थर पर लकीर खींचने में विश्वास करता हूं'। पिछले आठ साल में भारत की राजनीति, समाज और अर्थव्यवस्था को जो दिशा मिली है वह भी पत्थर पर खींची गई लकीर की तरह है, जो नहीं बदलने वाली है। प्रधानमंत्री की अपनी सोच और कार्यशैली भी पत्थर पर लकीर की तरह ही है। तभी यह मान सकते हैं कि जैसे आठ साल बीते हैं वैसे ही आगे 1०, 15 या 2० साल बीतेंगे। कुछ भी नहीं बदलेगा क्योंकि भारत आज जिस दशा में है वह सिर्फ परिस्थितियों के कारण नहीं है, बल्कि सोच-समझ कर किए गए फैसलों की वजह से है। दुनिया भर के देशों की अर्थव्यवस्था में गिरावट कोरोना वायरस की महामारी के कारण हुई लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था उससे बहुत पहले किए गए नोटबंदी के सुनियोजित फैसले की वजह से बिगड़ने लगी थी। दुनिया में गिरावट मार्च 2०2० में शुरू हुई और भारत में मार्च 2०18 में ही शुरू हो गई थी। चीन और दुनिया के देशों पर भारत की निर्भरता बढ़ी है। भारत का निर्यात बढ़ा है तो उसी अनुपात में आयात भी बढ़ा है। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भरा है तो उसी अनुपात में भारतीय मुद्रा की कीमत गिरी है और आयात का बिल भी बढ़ा है। सो, अगर आठ साल में विकास दर ठप्प है, महंगाई और बेरोजगारी बढ़ी है, गरीबों की संख्या में इजाफा हुआ है, संपत्ति निर्माण बंद है, सरकारी कंपनियों की बिक्री भी नहीं हो पा रही है लेकिन अरबपतियों की संख्या बढ़ रही है तो यहीं सब कुछ आगे भी होता रहेगा।

आगे के कई सालों की राजनीतिक व सामाजिक पटकथा भी पहले ही लिखी जा चुकी है। जो कहानी शुरू हो गई है वह चलती जाएगी। प्रधान सेवक की ईमानदारी और सादगी की चर्चा होती रहेगी। विपक्षी पार्टियों के परिवारवादी होने और भ्रष्ट होने का नैरेटिव केंद्रीय एजेंसियों के छापों से हल्ला होता जाएगा। विपक्ष के नेता भ्रष्टाचार के आरोप में पकड़े जाएंगे लेकिन व्यवस्था का भ्रष्टाचार खत्म नहीं होगा। जनता रिश्वत देकर अपना काम कराती रहेगी लेकिन विपक्षी नेताओं के पकड़े जाने का जश्न भी मनाएगी। अपने घर में कभी पूजा नहीं करने वाले भी अपने घर से हजारों मील दूर किसी मस्जिद में मूर्ति मिलने की खुशी मनाएंगे और सरकार का जयकारा लगाएंगे। सो, अगले कई बरसों तक नेताओं पर छापे पड़ते रहेंगे, वे मुकदमों में उलझे रहेंगे, मस्जिदों की खुदाई चलती रहेगी, मूर्तियों के मिलने का सिलसिला जारी रहेगा और लोग इसके जश्न में डूबे रहेंगे। एक बार यह सिलसिला शुरू हो गया है तो इसे तभी रोका जा सकता है, जब बड़ा बल लगा कर रोका जाए लेकिन वह कौन करेगा! जिसने शुरू किया उसे तो इसका फायदा हो रहा है।

समझदार लोग इस चिंता में हैं कि सामाजिक विभाजन बहुत गहरा हो रहा है और देश गृहयुद्ध की तरफ बढ़ रहा है। लेकिन उससे भी क्या? देश में गृह युद्ध तो होना ही था, वह कल होना था तो आज हो जाए। दुनिया के किस देश में गृह युद्ध नहीं हुआ! यूरोप के लोग क्या बिना लड़े सभ्य हो गए! उन्होंने सदियों तक धर्म युद्ध किए हैं। भारत में भी अगर ऐसा होता है और साफ-सफाई होती है तो क्या बुरा है? लोग कपड़े, पहनावे, बोली-भाषा और खान-पान से पहचाने जाएंगे और अकेले मिल गए तो मार भी दिए जाएंगे। जैसे मध्य प्रदेश में मोहम्मद के शक में जैन साहेब मार दिए गए। सोचें, जिस काम से वोट मिल रहे हों उसे कौन रोकना चाहेगा? अगर सरकार से पांच किलो अनाज लेने वाला कहे कि उसने सरकार का नमक खाया है और वह धोखा नहीं कर सकता है तो क्या पांच किलो अनाज का सौदा महंगा है? उलटे यह बहुत सस्ता सौदा है। ध्यान रहे भारत में बहुत पहले किसी ने यह नैरेटिव बना दिया था कि काम करने पर वोट नहीं मिलता है। कई मिसाल देकर लोग बताते हैं कि अमुक नेता तो इतना काम किया फिर भी नहीं जीत सका। सो, जीतने का फॉर्मूला अलग है और वह काम नहीं है। वह फॉर्मूला मुफ्त में अनाज बांटने का है, स्मार्ट फोन, लैपटॉप बांटने का है, पोशाक व कपड़े देने का है, सम्मान निधि के नाम पर पांच सौ-हजार रुपए महीना देने का है या फिर इतिहास की खुदाई करके मंदिर निकालना है। सो, तय मानें कि आगे अनेक बरसों तक यही सब कुछ होते रहना है।

दुकान से चोरी कर भाग रहे युवक को पकड पुलिस के हवाले किया

संवाददाता

देहरादून। दुकान से रूपये चोरी कर भाग रहे युवक को दुकानदार ने आसपास के लोगों की मदद से पकडकर पुलिस के हवाले किया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार करनपुर निवासी जितेन्द्र कुमार अरोडा ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी दुकान अरोडा फास्ट फूड के नाम से ओल्ड डालनवाला मे है। आज चार बजे करीब वह घर पर खाना खाने के लिये गया हुआ था उसका स्टाफ ऊपर कीचन मे था इतने मे एक व्यक्ति उसकी दुकान के अनदर घुसा उसके गल्ला खोलकर पैसे निकालने लगा जिसको मौके पर उसके स्टाफ द्वारा देख लिया गया तभी यह व्यक्ति गले से पैसे लेकर भागने लगा तभी वह घर से वापस आ रहा था तभी उसने व पडोसी दुकानदार द्वारा इसको पकडा गया तब इस व्यक्ति द्वारा उसके ऊपर जान लेवा हमला किया गया । जिससे उसकी जान भी जा सकती थी इसके द्वारा जो पैसे चोरी किये गये वो 1710 रूपये चौकी मे जमा किये गये है। पूछताछ में उसने अपना नाम दीपक शर्मा पुत्र रोहित शर्मा निवासी हरिद्वारा बाईपास रोड बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

महिला के गले से चेन लूटी

संवाददाता

देहरादून। राह चलते बदमाश ने महिला के गले से चेन लूट ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गीता नगर ऋषिकेश निवासी श्रीमती शशि रावत ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी सास घर के पास रेलवे ट्रेक की पटरी पार कर घर की तरफ आ रही थी तभी पीछे से एक युवक आया और उसकी सास कुछ समझती उससे पहले ही युवक ने उनके गले पर झपटा मारकर चेल लूटकर फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दून विश्व विद्यालय स्टाफ व प्रदर्शनकारियों के बीच मारपीट, हंगामा

विशेष संवाददाता

देहरादून। दून विश्वविद्यालय के मुख्य गेट पर आज फर्जी भर्तियों और भ्रष्टाचार के खिलाफ धरना प्रदर्शन कर रहे सुराज सेवादल के कार्यकर्ताओं और यूनिवर्सिटी स्टाफ के बीच जमकर तकरार और मारपीट हुई। यूनिवर्सिटी में हो रही फर्जी नियुक्तियों और भ्रष्टाचार के विरोध में सुराज सेवा दल के कार्यकर्ता गेट पर धरना प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान यूनिवर्सिटी स्टाफ के कुछ लोगों ने उनका विरोध किया हंगामा इतना बढ़ा कि एक महिला ने प्रदर्शनकारी को थप्पड़ रसीद कर दिया। बस फिर क्या था दोनों तरफ से मारपीट और हंगामा शुरू हो गया जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

5 सौ रुपये के विवाद में युवक को मारा चाकू, गम्भीर घायल

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। 5 सौ रुपये के लेनदेन को लेकर उपजे विवाद में एक युवक ने दूसरे पर चाकू से हमला कर दिया। घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसकी हालत को गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रैफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार श्यामपुर थाना क्षेत्र के गांव सजनपुर निवासी चेनी पुत्र पुष्पेन्द्र व जतिन के बीच 5 सौ रुपये के लेनदेन को लेकर झगड़ा हो गया। आरोप है कि झगड़े के दौरान चेनी ने जतिन पर चाकू से वार कर दिया। चाकू के हमले में जतिन बुरी तरह से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए चिकित्सालय ले जाया गया। जहां उसकी हालत को गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उसे हायर सेंटर रैफर कर दिया गया। एसओ श्यामपुर अनिल चौहान का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। शीघ्र ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

एक मर्डर का था आरोपी लेकिन हत्या की थी चार, गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। पत्नी की हत्या के मामले में 14 साल से फरार चल रहे 25 हजार के ईनामी को पुलिस ने कल देर शाम यूपी से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी इस हत्या से पूर्व भी अपनी पहली पत्नी व दो बच्चों को मौत के घाट उतार चुका था।

बता दें कि 18 मई 2008 को उत्तम मण्डल पुत्र विश्वनाथ मण्डल निवासी सौरभ नगर थाना ट्रांजिट कैम्प द्वारा अपनी पत्नी वीतिका की गला दबा कर हत्या कर शव को अरुण डे के बैगन के खेत में छुपा दिया गया था और वीतिका के नांक कान भी काट दिये थे। इस मामले में उत्तम मण्डल के तत्कालीन मकान मालिक रतन मण्डल द्वारा थाना रुद्रपुर में उत्तम मण्डल के खिलाफ हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज करा दिया गया था। घटना के बाद से ही आरोपी उत्तम मण्डल फरार हो गया था जो मूल रुप से ग्राम नगरिया पीलीभीत का रहने वाला है। आरोपी उत्तम मण्डल के खिलाफ पुलिस ने जब जांच की तो पता चला कि उसके द्वारा वर्ष 2002 में अपनी पहली पत्नी विन्ध्या मण्डल पुत्री पंचनाम गोलदार निवासी रतन फार्म व अपने दो पुत्रों मनोज मण्डल व मदन मण्डल की भी हत्या की थी। मायका पक्ष कमजोर एवं गरीब होने के कारण किसी के द्वारा उत्तम मण्डल के खिलाफ थाने में कोई रिपोर्ट नहीं करवाई गयी थी। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी उत्तम मण्डल

❑14 साल से फरार था 25 हजार का ईनामी

ने अपनी दूसरी पत्नी वीतिका से उसके पति का तलाक करवाकर उसके साथ कोट मैरिज कर उसकी भी हत्या कर दी गयी और भाग कर दिल्ली चला गया जहां उसके द्वारा एक अन्य लड़की संगीता निवासी गबिया के साथ शादी कर ली है और उसके संगीता से भी दो बच्चे हैं। आरोपी के गिरफ्त में न आने पर पुलिस प्रशासन द्वारा उस पर 25 हजार का ईनाम घोषित कर दिया गया।

ईनामी बदमाश की खोजबीन में अब एसओजी को लगाया गया। एसओजी द्वारा जब उत्तम मण्डल की खोजबीन की गयी तो इस बीच एसओजी टीम ने एक सूचना के तहत उत्तम मण्डल को कल देर शाम पीलीभीत से गिरफ्तार कर लिया गया। जिसके पास से एक मोबाइल फोन व एक आधार कार्ड बरामद हुआ है। गिरफ्तारी के बाद की गयी पूछताछ में उत्तम मण्डल द्वारा बताया गया कि उसने अपनी पहली पत्नी विन्ध्या मण्डल व दोनों पुत्र मनोज व मदन के अलावा दूसरी पत्नी वीतिका की हत्या की है। जिसके बाद उसने दिल्ली में रहकर संगीता नाम की बंगाली महिला के साथ तीसरी शादी की है। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

कांग्रेसी नेता राजेश शिवपुरी के निधन पर शोक व्यक्त

देहरादून (सं)। कांग्रेसी नेता राजेश शिवपुरी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कांग्रेस उपाध्यक्ष व प्रवक्ता धीरेन्द्र प्रताप ने कहा कि राजेश नीतियों व सिद्धातों के पक्के व्यक्ति थे। आज यहां उत्तराखंड कांग्रेस के उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ प्रवक्ता धीरेंद्र प्रताप ने हरिद्वार में कांग्रेस के जाने-माने नेता पत्रकार, लेखक एवं साहित्यकार राजेश शिवपुरी के असामयिक निधन पर गहरा दुख और शोक व्यक्त किया है। राजेश

शिवपुरी को कांग्रेस पार्टी का एक प्रतिबद्ध नेता बताते हुए कहा कि वे नीतियों और सिद्धांतों के पक्के थे और उन्होंने आजीवन कमजोर वर्गो, गरीब तबकों और जरूरतमंद लोगों की आवाज उठाई। प्रताप ने कहा कि उनके निधन से कांग्रेस ने अपने निष्ठावान नेता को खो दिया है। राजेश शिवपुरी 62 वर्ष के थे और हृदयाघात से उनका निधन हो गया। उत्तराखंड के कांग्रेस के महासचिव नवीन जोशी विजय सारस्वत और मनीष नागपाल ने भी राजेश शिवपुरी के निधन को कांग्रेस पार्टी की बड़ी क्षति बताया है और उन्हें पार्टी का एक जांबाज नेता बताया।

बरसात से पूर्व नाला सफाई का कार्य पूरा कराने का लक्ष्य निर्धरित: एमएनए

हमारे संवाददाता

रुद्रपुर। बरसात के मौसम में नगर में जलभराव की समस्या को देखते हुए नालों की सफाई का कार्य लगातार जारी है। मुख्य नगर आयुक्त रुद्रपुर विशाल मिश्रा (आईएएस) द्वारा मौके पर जाकर नालों की सफाई कार्यों का निरीक्षण किया जा रहा है तथा कार्य को तेज गति से पूरा करने के साथ ही निकाले जा रहे सिल्ट को उठाने का निर्देश भी दिया जा रहा है। नगर आयुक्त विशाल मिश्रा ने बताया कि मानसून आने से पूर्व नालों की सफाई का कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जेसीबी लगाकर भी बड़े नालों से सिल्ट को बाहर निकाला जा रहा है, जिसमें नाला सफाई कर्मी बड़ी मुस्तैदी के साथ सफाई कार्य को अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई

स्थानों पर अतिक्रमण के चलते नालों को पूरी तरह से साफ किए जाने के कार्यों में दिक्कतें आ रही है, इसे लेकर नगर निगम अतिक्रमण अभियान चला रहा है। नगर आयुक्त ने बताया कि नगर निगम की ओर से सफाई कर्मी लगातार नालों की सफाई कार्य में लगे हुए हैं। छोटे-बड़े सभी नालों की सफाई बहुत तेजी से कराई जा रही है, जहां पर अतिक्रमण किया हुआ है,वहां अतिक्रमण हटाकर नालों को साफ किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आज भी विशेष सफाई अभियान भूरारानी वार्ड नंबर 32 में मेन रोड पर चलाया जाएगा जिसमें दो जेसीबी व 20 कर्मचारियों द्वारा नाला सफाई अभियान चलाया जाएगा।

कोरोना से डरे नहीं
सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

एक नजर

राष्ट्रपति चुनावः इलेक्शन कमीशन ने जारी किया कार्यक्रम

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने राष्ट्रपति चुनाव 2022 कार्यक्रम का ऐलान कर दिया है। प्रेस वार्ता कर आयोग ने बताया कि राष्ट्रपति चुनाव के लिए 15 जून को अधिसूचना जारी कर दी जाएगी और 18 जुलाई को मतदान होगा। चुनाव आयोग ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रपति चुनाव 2022 में कुल 4,809 मतदाता मतदान करेंगे। कोई भी राजनीतिक दल अपने सदस्यों को व्हिप जारी नहीं कर सकता है वहीं मतगणना 21 जुलाई को होगी। इस चुनाव के बाद देश को अपना 15वां राष्ट्रपति मिलेगा। बता दें कि, राष्ट्रपति का पद एक सर्वोच्च संवैधानिक पद है। संवैधानिक प्रक्रिया के अंतर्गत हर 5 वर्षों में राष्ट्रपति का चुनाव किया जाता है। वर्तमान में देश के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद है। जिनका कार्यकाल 24 जुलाई को खत्म हो रहा है।

सोमवार तक ईडी की कस्टडी में रहेंगे दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन

नई दिल्ली । दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता सत्येंद्र जैन के परिसरों में छापे के दौरान २.८२ करोड़ रुपये और १३३ सोने के सिक्कों की बरामदगी के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज उन्हें राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया। ईडी ने कोर्ट से पांच दिन और अपनी कस्टडी में रखने की मांग की। हालांकि कोर्ट ने जैन को सोमवार तक ईडी की कस्टडी में रहने का फैसला दिया है। जबकि सतेंद्र जैन के वकील कपिल सिब्बल ने इसका विरोध किया। अधिवक्ता सिब्बल ने कहा, जब ईडी ने इतने दिनों में कुछ नहीं किया तो अब क्यों और पांच दिन की कस्टडी मांग रही है। ईडी ने हाल ही में जैन और उनके रिश्तेदारों समेत करीबी दोस्तों के कई ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस छापेमारी में २.८५ करोड़ रुपये नकद और १.८० किलो वजन के १३३ सोने के सिक्के बरामद हुए थे। इनके अलावा, कई जरूरी दस्तावेज और डिजिटल रिकॉर्ड भी जब्त किए गए। ईडी ने कहा था कि, जिन लोगों के खिलाफ छापेमारी की गई, उन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर से धन शोधन में मंत्री की सहायता की थी। विभाग ने कहा, हमने अंकुश जैन, वैभव जैन, नवीन जैन और सिद्धार्थ जैन, राम प्रकाश ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक, लाला शेर सिंह जीवन विज्ञान ट्रस्ट के अध्यक्ष जीएस मथारू, जो प्रूडेंस ग्रुप ऑफ स्कूल्स चलाते हैं, योगेश कुमार, ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड में निदेशक राम प्रकाश, अंकुश जैन के ससुर और और लाला शेर सिंह जीवन विज्ञान ट्रस्ट के ठिकानों पर छापेमारी की।

रेप के दो आरोपियों को ग्रामीणों ने जिंदा जलाया, एक की मौत, दूसरे की हालत गंभीर

रांची। झारखंड के गुमला में बुधवार की रात बलात्कार के दो आरोपियों को ग्रामीणों की भीड़ ने जिंदा जला दिया। एक आरोपी की मौत हो गई जबकि दूसरा आरोपी रांची स्थित रिम्स में गंभीर हालत में भर्ती है। जानकारी के अनुसार, दोनों आरोपियों पर एक मोटरसाइकिल पर एक महिला को लिफ्ट देने के बहाने बलात्कार करने का आरोप है। पुलिस ने कहा कि आरोपियों को जिंदा जलाने से पहले भीड़ ने दोनों की डंडों और फावड़ों से पिटाई की। मृतक आरोपी की पहचान सुनील उनराव के रूप में की गई है। दरअसल, बुधवार को नाबालिग महिला और उसके माता–पिता अपने रिश्तेदार के यहां गए थे। वापस अपने गांव लौटने के लिए बस का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान उनके ही गांव के आरोपियों ने नाबालिक को अपने मोटरसाइकिल से घर पहुंचाने की बात कही लेकिन शाम को जब माता–पिता घर पहुंचे तो नाबालिग घर नहीं पहुंची थी। नाबालिग गंभीर हालत में पड़ोस के गांव में मिली और उसने अपने परिजनों को बताया कि उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया है। आक्रोशित ग्रामीणों ने दोनों आरोपियों को उनके मोटरसाइकिल के साथ पकड़ लिया। पहले तो दोनों की जमकर पिटाई और फिर उन पर और उनके मोटरसाइकिल पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी।

गंगा दशहरे पर करोड़ों लोगों ने लगाई श्रद्धा की डुबकी

विशेष संवाददाता

हरिद्वार। मां गंगा को न सिर्फ पतित पावनी माना जाता है बल्कि मां गंगा मोक्षदायिनी भी है। शास्त्रों के अनुसार आज ही के दिन राजा भागीरथी की सालों लंबी तपस्या से खुश होकर भगवान शिव ने मां गंगा को धरती पर अवतरित किया था और उनके पित्रों का आत्म तर्पण किया था। इसीलिए इस दिन गंगा स्नान का विशेष महत्व है तथा गंगा दशहरे के दिन पित्रों का तर्पण किया जाता है।

आज देश भर में गंगा दशहरा का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। काशी से लेकर हरिद्वार तक करोड़ों श्रद्धालुओं की भी शहर–शहर और घाट–घाट लाइने लगी है। हरिद्वार और ऋषिकेश में गंगा स्नान के लिए आज श्रद्धा का समंदर उमड़ा हुआ है। कोरोना काल में दो साल

❑देशभर में गंगा दशहरे की धूम
❑हरिद्वार में उमड़ी भक्तों की भीड़

तक गंगा दशहरे के स्थान पर प्रतिबंध रहा था तथा इसे सिर्फ प्रतीकात्मक रूप से ही लोग मना रहे थे। लेकिन इस बार गंगा दशहरे के मौके पर श्रद्धालुओं के आने जाने के प्रतिबंधों से मुक्ति मिलने के कारण लोगों में खासा उत्साह देखा गया है। अभी विगत दिनों सोमवती अमावस्या के दिन भी हरिद्वार में इसी तरह का नजारा देखा गया था।

हरिद्वार जिला प्रशासन द्वारा गंगा दशहरे स्नान के लिए सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं सुबह चार बजे से ही लोग गंगा में श्रद्धा की डुबकी लगा रहे हैं तथा दान पुन कर अपने पितरों का आत्म तर्पण कर रहे हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि हम राजा भगीरथ के आभारी हैं जिनके प्रयास से मां गंगा धरती पर अवतरित हुई और करोड़ों भारतवासियों को संत्रास से मुक्ति का मार्ग दिखाया। मां गंगा के प्रति लोगों की अटूट श्रद्धा और भक्ति भाव ही है कि जो उन्हें गंगा तक खींच लाता है और वह मां मोक्षदायिनी में डुबकी लगाकर स्वयं को सभी पापों से मुक्त महसूस करते हैं।

धर्म के खिलाफ टिप्पणी करने पर युवती ने एसएसपी से की शिकायत

संवाददाता

देहरादून। फेसबुक पर धर्म के खिलाफ अश्लील टिप्पणी करने पर युवती ने हिन्दू संगठन के लोगों के साथ एसएसपी कार्यालय पहुंच की शिकायत। एसएसपी ने मुकदमा दर्ज करने का आश्वासन दिया।

आज यहां एक युवती हिन्दू संगठन के कार्यकर्ताओं व पार्षदों के साथ एसएसपी कार्यालय पर पहुंची जहां पर उन्होंने डीआईजी/एसएसपी जन्मेजय खंडूडी को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसके द्वारा अपनी फेसबुक आईडी से पोस्ट डाली गई थी जोकि ना किसी धर्म जाति व्यक्ति विशेष किसी के विरोध में नहीं थी फिर भी उसकी पोस्ट में एक बहादराबाद का रहने वाला व्यक्ति राव फरमान अली द्वारा कमेंट करना शुरू कर दिया गया व बहस बाजी करने लगा जिसमें उसने उसको व्यक्तिगत टिप्पणियां भी की साथ ही साथ हमारे भगवान के बारे में भी बहुत गलत टिप्पणियां की। जिसने हमारे धर्म हमारी आस्था को हानि पहुंचाई और उसपर व्यक्तिगत टिप्पणियां की कुछ टिप्पणियां इस प्रकार एक ही औरत को पांच भाई रखें जो निर्वस्त्र लड़कियों के कपड़े चुरा ले भागे हजारों के साथ रासलीला करें जिसे सृष्टि का रचनाकार कहते हो। इस तरीके के अनेकों टिप्पणियां की। एसएसपी ने तत्काल मुकदमा दर्ज कराने व दोषी के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर डॉ नेहा शर्मा, पार्षद योगेश घाघट जी, पार्षद सतेन्द्र नाथ जी, पार्षद कमल थापा, पार्षद भूपेंद्र कठैत, विकास वर्मा बजरंग दल, प्रदीप रावत , हिमानी गिल, आकृति शैली ,बबीता महार ,समीर डोभाल, आशीष थापा, अमित थापा अम्मू, कौस्तव पंन्त, अजय राणा ,अमित कुमार, चंद्रशेखर आदि लोग उपस्थित रहे।

ट्रक की चपेट में आकर बाईक सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। ट्रक की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मृतक के भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कालाढूंगी निवासी योगेश छिम्वाल ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि गत रात्रि समय साढे नौ बजे के मध्य उसका छोटा भाई पवन छिम्वाला अपनी मोटर साइकिल से अपने मित्र अंकित जोशी के साथ मीठीवेरी से रांगढवाला की ओर आ रहा था तो एक ट्रक के चालक सारिक पुत्र जाहिद निवासी खुशालपुर देहरादून द्वारा ट्रक को तेजी एवं लापरवाही से चलाकर उसके भाई की मोटर साइकिल पर टक्कर मारकर दुर्घटनाग्रस्त किया गया जिससे उसके भाई की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गयी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में ले पोस्टमर्टम के लिए भेज दिया।

ग्राहक बनकर आयी महिला ने चुराया सोने का कडा

संवाददाता

देहरादून। रिलायंस ज्वैल्स के शौरूम में ग्राहक बनकर आयी महिला ने सोने का कडा चुरा लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राजपुर रोड स्थित रिलायंस ज्वैल्स शौरूप के प्रबंधक सूरज रावत ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज दोपहर 2 बजे के करीब उनके राजपुर रोड स्थित रिलायस ज्वैल्स के शोरुम पर एक महिला ग्राहक आई जो अपना पुराना सोने का कडा बदलना चाहती थी। उनके सेल्स प्रतिनीधि सुमन चौहान एवं श्रीमती रितिका गुप्ता ने उन्हे सोने के कडे दिखाना शुरु किया इसी बीच उस ग्राहक ने एक सिखी कडा जिसका वजन 19 ग्राम 890 मिग्रा था और आज उसका मूल्य 1,13206 रूपये है को चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बिजली चोरी में छह लोगों पर केस दर्ज

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अवर अभियंता रानीपोखरी ऋषिराम क्षेत्री ने रानीपोखरी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने भोगपुर में सुशील कुमार पुत्र कंठूसिंह, सुरेश पुत्र कन्हैया, देवपाल पुत्र पदम सिंह, राकेश पुत्र भगवान सिंह, चन्द्रमोहन सकलानी पुत्र धनीराम व भगवान सिंह पुत्र मंगल सिंह के यहां पर छापा मारा तो उक्त लोगों द्वारा कटिया डालकर बिजली चोरी की जा रही थी। पुलिस ने सभी के खिलाफ बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।